

(CHAPTER-8)
(NAOSUM AMATADAGI)
(Writer : Mangthoi Thaimei)

## **നൗ്ട്ടനയ്ന** (SOLUTIONS)

## रेंटहाण लक्ष्म

## : पार्य अर्था भार्ष्य राष्ट्र

 $\omega \omega = G \omega$ 

ण्या = एस्या च्या

र्डर्टिंग पाति = राजि क्रिं

രച്ങ്ൽ = ह्रक्षेणाखा सित्रेज्ञणा गेक्फ वेप्रजाहित सी खोपवार

राणक्रयार्थे = क्रेंच्या = क्रेंच्या

 $\mathbf{z}$ र्लित =  $\mathbf{z}$ र्लित

लेक्क्र<del>ो</del>шर = प्रैटहम टेंर

हा। स्रिक्ष प्रसामाण क्ष्या असमिताल स्वत्य लेक्ष्य न्ले स्वर्म स्वत्य प्रसाम स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वर्य स्वर्म स्व

त्रिक्ष्म प्राचित्र प्रताम प्रताम

ਸ਼ਾਲਤ : ਜ਼ੱਲੀਆਂ ਧਾਰਾਣ ਤੁਸਰੀ ਸਾਂਦਾ ਸਾਰਕ ਹੈ ਸਾਰਕ ਤੇ ਸ਼ਹੀ ਸਾਲ੍ਹੇ ਸਾਲ੍ਹੇ ਸ਼ਹੀ ਸਾਲ੍ਹੇ ਸਾਲ੍ਹੇ

ट) उन्मारिशीय प्राणी स्वातंत्रकाणी देयाजूट ऋषक्षेत्र व्याप्ताणः?

स) प्रामिष्य भ्रममाण अन्तर्भा भ्रमण स्वर्धा स्वर्ध स्वर स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर

- ଆ स्प्राणिक प्राप्ति हैं स्वाप्ति हैं से से स्वाप्ति हैं से स्वाप्ति हैं से स्वाप्ति हैं से स्वाप्ति हैं से स्वाप्ति
  - णाण्यं गण्या । जिल्ला क्ष्या । जिल्ला क्ष्या कर केर मंत्र रहें मंत्र रहें प्राप्त । जिल्ला कर केर मंत्र रहें मंत्र रहें प्राप्त । जिल्ला कर केर मंत्र रहें मंत्र रहें प्राप्त । जिल्ला कर केर मंत्र रहें मंत्र रहें प्राप्त । जिल्ला मंत्र रहें मंत्र रहें प्राप्त । जिल्ला मंत्र रहें प्राप्त । जिल्
  - $\overline{\mathbf{m}}$  ប្រធានការ នេះ បាន នេះ បាន
  - ट) प्रीणमा क्रममाणि क्रिणट्रात्मणी प्रस्तविष्ठ क्रिक्टि क्रिक्टि
  - 無) スピース (本語)大田田で (本語)<l
- - ന) र्रेटिणाम्या स्थानिक स्थान
  - अभित्र हुण्णीत्र विष्णित्र प्रह्णिक्ष प्रत्ये प्रहणिक्ष प्रत्ये प्रहणिक्षित्र प्रत्ये प्रहणिक्षित्र प्रत्ये प्रहण्णिक्ष प्रत्ये प्रहण्णिक्ष प्रत्ये प्रहण्णिक्ष प्रत्ये प्रत्ये

स्थाप्रभाशित स्थाप्रकाण प्रेस्नप्रस्वणा स्थाप्रभाधित स्थाप्रम्य स्थाप्रभाधित स्थापित स्थाप्रभाधित स्थाप्रभाधित स्थापित स्थाप

- हो हे जिल्ला में प्रताप क्ष्मिया प्रताप प्रताप प्रताप प्रताप प्रताप प्रताप श्वाप प्रताप श्वाप प्रताप श्वाप प्रताप श्वाप श्वाप
- गोञ्चः ऐञ्चल्रम त्रेज्ञह्म प्रकेष प्रवास ल्राह्मणा प्रकार प्राप्त कर्षे व्यक्त स्वाम्य प्रकार प्रकार प्रकार स्वाम्य स्वाम्य
- (ह्याण अट्टर्स पाठान्याण क्रिक पाठान्याण क्रिक पाठान्याण क्रिक पाठान्य प्रमार्थ प्रमार्य प्रमार्य प्रमार्य प्रम

  - ट) प्रभूष सहम प्रेन्स प्राव्य (गार्व्य सहम प्रमन्नर)
  - (त्या स्त्री प्राप्त प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य (स
- e॥ अद्भुगाद श्री है।

णाहित जेंगा भागा भागा में जार जेंगा ।

गोर्जः गारिमदिष गोर्ज्ञभे प्रला सेवार्य कर 'ऐस्रलूम प्रस्करकाणी' रेक्र रेजिल्ला प्रस्कृत गोरिक प्रमालकार्य ॥

ण॰राम णामाण णामाण विभाग विभा

प्राणकीयम् उत्प्रताम उत्प्रताम हित्य क्षेत्र हेण्य सामा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स

\_\_\_\_